

---

Devi Nirajanam

देवीनीराजनम्

Document Information



---

Text title : Devi Nirajanam

File name : devInIrAjanam.itx

Category : devii, Arati

Location : doc\_devii

Proofread by : Paresh Panditrao

Latest update : December 16, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 16, 2022

*sanskritdocuments.org*



देवीनीराजनम्



जय देवि जय देवि जयमातस्त्रिपुरे ।  
भक्त्यानुग्रहकारिणि दासानुग्रहकारिणि ईश्वरि सुरवरदे ॥ ध्रु ॥

दुर्गे दुर्गतिनाशिनि भवसागरतारे  
मृगेन्द्रवाहनगिरिजे दानवसंहारे ।  
अष्टादशभुजमूर्ते कण्ठरूण्डमाले  
सप्तशृङ्गनिवासिनि रुद्रात्मकशक्ते ॥ जय देवि ॥ १ ॥

बालार्कारुणशोभितबन्धक कुसुमाभे  
कुङ्कुमशोभितदेहे दाडिमकुसुमाभे ।  
पादाहतमहिषासुरदेवासुरसर्गे  
नानादानवमर्दिनि अलिकुलरिपुवर्गे ॥ जय देवि ॥ २ ॥

जय त्रिपुरासुरमर्दिनि मर्दय मम दोषान्  
तारय तारय मातर्भवजलकूपस्थान् ।  
कामक्रोधादीन्मारय देहस्थान्  
करुणादृष्ट्या माता रक्षय निजभक्तान् ॥ जय देवि ॥ ३ ॥

मूले चाधिष्ठाने मणिपूरे चक्रे  
हृदयेऽनाहतचक्रे षोडशदलपद्मे ।  
आज्ञाचक्रे बालय बालय कृतवलये  
ब्रह्मस्थाने विहरसि मातः शिवसहिते ॥ जय देवि ॥ ४ ॥

विधिहरिशङ्करवन्द्ये पण्डितजनवन्द्ये  
सनकादिकमुनिवन्द्ये यक्षासुरवन्द्ये ।  
नारदतुम्बुरुकिन्नरगीते सुरवन्द्ये  
अघनाशिनि भवशोषिणि मातः सुखसहिते ॥ जय देवि ॥ ५ ॥

ॐ कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम् ।

सदा रमन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानीसहितं नमामि ॥  
इति देवीनीराजनं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Paresh Panditrao

---



*Devi Nirajanam*

pdf was typeset on December 16, 2022



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

